No. of Printed Pages : 8 **MRDE-002**

MASTER OF ARTS (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

December, 2022

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. **1** and **2** should not exceed **800** words each.*

1. Describe the importance of research, training and technical assistance in the process of capacity building of NGOs. 20

Or

Explain the schemes under which financial support is available to NGOs.

2. Discuss the importance of people's participation in the process of implementation of rural development programmes. 20

Or

Discuss CBO-Approach in the concept of 'Ladder of Participation'.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about ***400*** words each : 10×2=20

   (a) Explain the main components of PRADAN—approach to "tasar" production in rural areas.

   (b) Indicate the basic characteristics of SWRC. State the 'code of conduct' adhered to by barefoot college at Tilonia.

   (c) Explain the significance and role of Tarun Bharat Sangh in the building of 'Johads' in villages.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about ***200*** words each : 5×4=20

   (a) Write a short note on religious philanthrophy.

(b) Describe briefly the central dilemma inherent in political voluntarism.

(c) Discuss the major contribution of Renaissance.

(d) Explain how Gandhi motivated and engaged youth in rural reconstruction.

(e) Discuss development programmes directly targeting the poor sections in rural society.

(f) Explain the nature of micro actions by weaker sections.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about ***100*** words each : 4×5=20

(a) Essential defining criteria of VOs/NGOs.

(b) The NGO-typology based on the orientation of their work.

(c) A Trade Union *vs.* Non-profit organisations.

(d) Current vision regarding the registration of VOs.

(e) The basic typology of voluntary sector in India.

(f) Skewed land relations in rural areas.

(g) Complementary nature of roles of PRIs and VOs in regard to rural development.

MRDE-002

एम. ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. आर. डी. ई.-002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर **800** शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए।*

---

1. गैर-सरकारी संगठनों की क्षमता निर्माण प्रक्रिया में शोध, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता के महत्व को समझाइए। 20

अथवा

गैर-सरकारी संगठनों की वित्तीय सहायता के लिए उपलब्ध योजनाओं की व्याख्या कीजिए।

2. ग्राम विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में जनसहभागिता के महत्व को समझाइए। 20

अथवा

"सहभागिता सोपान" की संकल्पना में सी. बी. ओ.- दृष्टिकोण को व्याख्यायित कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में दीजिए : 10×2=20

(क) ग्रामीण क्षेत्रों में "टसर" उत्पादन के लिए प्रदान दृष्टिकोण के मूल तत्वों को समझाइए।

(ख) एस. डब्ल्यू. आर. सी. की मूलभूत विशेषताओं को इंगित कीजिए। तिलोनिया में नंगे पाँव कॉलेज द्वारा पालन की जाने वाली आचार संहिता बताइए।

(ग) गाँवों में "जोहड़" के निर्माण में "तरुण भारत संघ" के महत्व एवं भूमिका को समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **200** शब्दों में दीजिए : 5×4=20

(क) धार्मिक लोकोपकार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ख) राजनैतिक स्वैच्छिकता में केन्द्रित अन्तर्निहित दुविधा को संक्षेप में समझाइए।

(ग) पुनर्जागरण काल के प्रमुख योगदान पर प्रकाश डालिए।

(घ) ग्रामीण पुनर्गठन में गांधी से प्रेरित युवा कैसे लगे हैं, समझाइए।

(ङ) ग्रामीण समाज के गरीब वर्ग को सीधे केन्द्रित विकास कार्यक्रम का वर्णन कीजिए।

(च) कमजोर/वंचित वर्ग द्वारा सूक्ष्म क्रियाओं की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए : 4×5=20

(क) स्वैच्छिक संगठनों/गैर-सरकारी संगठनों के लिए आवश्यक परिभाषित मानदण्ड।

(ख) कार्य दिशानिर्देश पर आधारित गैर-सरकारी संगठनों की समान व्याख्या।

(ग) व्यापार संघ **बनाम** गैर–लाभकारी संगठन।

(घ) स्वैच्छिक संगठनों के पंजीकरण से सम्बन्धित वर्तमान दृष्टिकोण।

(ङ) भारत में स्वैच्छिक क्षेत्र की मूलभूत सामान्य व्याख्या।

(च) ग्रामीण क्षेत्रों में तिरछी भूमि सम्बन्ध।

(छ) ग्रामीण विकास से सम्बन्धित पी. आर. आई. तथा स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका सराहनीय प्रकृति।